हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 48 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 08 अप्रैल से 13 अप्रैल 2022

नासिक के पास बड़ा ट्रेन हादसा

पवन एक्सप्रेस के 10 कोच पटरी से उतरे

नई दिल्लीः महाराष्ट्र में एक बड़ा ट्रेन हादसाहुआ है. यह दुर्घटना नासिक के पास हुई है. जानकारी के अनुसार नासिक के नजदीक रविवार दोपहर लोकमान्य तिलक- जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए. रेलवे ने यह जानकारी दी. रेलवे ने बताया हादसें में किसी की मौत या फिर किसी भी व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है. ट्रेन बिहार जा रही थी.पवन एक्सप्रेस के कोच के पटरी से

उतरने की घटना लाहविट और देवलाली स्टेशनों के बीच हुई. रेलवे ने बताया कि दुर्घटना राहत ट्रेन और चिकित्सा वैन मौके पर भेजी गई है. बताया जा रहा है कि हादसे में दो यात्रियों को मामूली चोट आई है जिन्हें प्राथमिक उपचार दे दिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं है. बताया जा रहा है जिस जगह पर यह घटना हुई उस जगह पर ट्रैक के पास एक शव बारमद हुआ है लेकिन रेलवे के मुताबिक यह शव ट्रेन में यात्रा कर रहे किसी यात्री का नहीं था. ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद कई ट्रेनों के रूट में परिवर्तन किया गया है. घटना के तुरंत बाद सेंट्रल रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिया है. 12617 निजामुद्दीन मंगला एक्सप्रेस, 12071 जालना जनशताब्दी एक्सप्रेस, 12188 जबलपुर गरीबरथ11071 वाराणसी एक्सप्रेस01027 एलटीटी-गोरखपुर समर स्पेशल. इसके अलावा 22221 निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस वाया दिवा-वसई के रूट में बदलाव किया गया है. पवन एक्सप्रेस के डिब्बे कैसे पटरी से उतरे इसको लेकर अभी सही बात सामने नहीं आई है लेकिन कहा जा रहा है कि जहां पर यह घटना हुई वह एक पहाड़ी इलाका था और ट्रेन मोड़ पर थी.

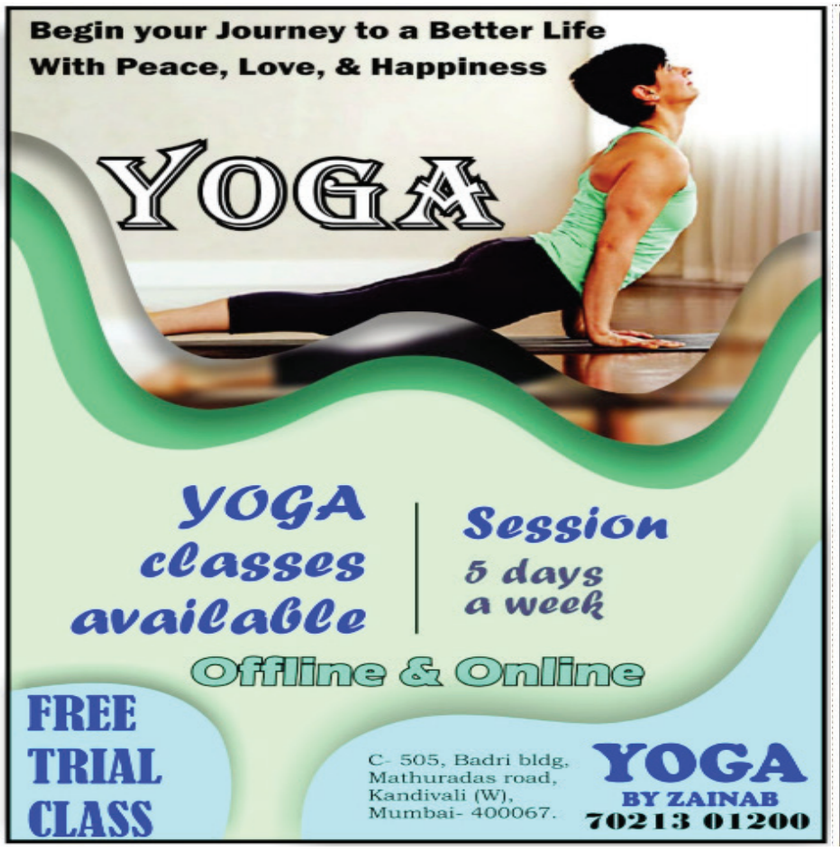

सीबीआइ ने भ्रष्टाचार के मामले में अनिल देशमुख को हिरासत में लिया

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को बुधवार को सीबीआइ ने भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए आर्थर रोड जेल से अपनी हिरासत में ले लिया। देशमुख प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पिछले वर्ष नवंबर से ही आर्थर रोड जेल में थे। विशेष सीबीआइ अदालत के जज वीसी बर्दे ने देशमुख को 11 अप्रैल तक सीबीआइ रिमांड पर भेज दिया है। सीबीआइ ने 31 मार्च को विशेष सीबीआइ अदालत से देशमुख को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति मांगी थी। सीबीआइ और पीएमएलए (मनी लांड्रिंग) की विशेष अदालतों ने उसे यह अनुमति दे दी थी। लेकिन उसके बाद ही अनिल देशमुख आर्थर रोड जेल से जेजे अस्पताल में भर्ती होने चले गए और उन्होंने अस्पताल से ही सीबीआइ कोर्ट के आदेश को मुंबई हाई कोर्ट में चुनौती दे दी।सीबीआइ ने मंगलवार को सीबीआइ अदालत को सूचित किया कि देशमुख पूछताछ से बचने के

लिए बीमारी का बहाना करके अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। बुधवार को हाई कोर्ट की जज रेवती मोहिते डेरे ने उनकी इस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया। फिर यह याचिका एक अन्य जज पीडी नाइक की अदालत में पहुंची। उन्होंने भी इस पर सुनवाई करने से मना कर दिया। सीबीआइ अनिल देशमुख के दो सहयोगियों संजीव पालंडे और कुंदन शिंदे के साथ मुंबई पुलिस के बर्खास्त एपीआइ सचिन वाझे को पहले ही हिरासत में ले चुकी है। विशेष सीबीआइ अदालत इन तीनों की रिमांड दे चुकी है। बांबे हाई कोर्ट ने ठीक साल भर पहले सीबीआइ को अनिल देशमुख पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के आदेश दिए थे।

ये मामले मुंबई से बारों व रेस्टोरेंट्स से प्रतिमाह 100 करोड़ रुपयों की वसूली के साथ-साथ ट्रांस्फर-पोस्टिंग घोटाले से भी जुड़ा है। सीबीआइ ने उन पर भ्रष्टाचार का मामला साल भर पहले ही दर्ज कर लिया था।

पेट्रोल-डीजल के आज फिर बढ़े दाम

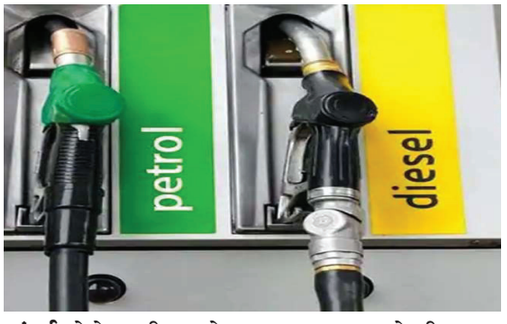

मुंबईः पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। देश में 05 अप्रैल 2022 मंगलवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की गई है। आज तेल के दाम में 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

पिछले दो सप्ताह में ईंधन की कीमतों में 13वीं वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि पिछले दो हफ्ते में देशभर में पेट्रोल-डीजल करीब 9.20 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। भारतीय बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का सिलसिला जारी है, जिससे खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना तय है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई (ट४ुं ढी३१ङ्ग’ ओरी’ फंशी ळ्ङ्गिट) में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 119.67 रुपये प्रति लीटर (84 पैसे की वृद्धि) और 103.92 रुपये प्रति लीटर (85 पैसे की वृद्धि) है।

Know Your Past, Present & FUTURE - with "My Miracles of Numerology"

Sandhiya Mehhta

Sandhiya Mehhta is a world renowned Numerologist, Vastu expert, Spiritual Healer with activated third eye. Her knowledge, wisdom and insight has helped innumerable people.

Titled as "Indian Nostradamus" and winner of many awards worldwide, she says

"MY CLIENT'S REWARDS ARE MY ONLY AWARDS"

Sandhiya Mehhta is the only successful numerologist that predicts your future and helps you mould your present with scientific remedies that are unique and developed over 25 years of research.

"No stones, signature changes and blind faith can uplift you and eliminate problems, but my system of remedy has shown tremendous results for people from every walk of life be it academics, sports, celebrities or politics"

"I will consult, inform, empower and guide you to a better present and future"

Famous for Exclusive research for the trio- 4, 7, 8 - "People born on this are such intelligent & hardworking individuals but need little help to realise their full destiny which I do through my remedies and research. It's a beautiful cocoon to butterfly journey".

Book your consultation NOW

+919819921673, +919769071673

www.yellowsoul.in / Email: contact.yellowsoul@gmail.com

Sandhiya.mehhta @sandhiyamehta

All credit cards are accepted

नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी

23 फरवरी को हुए थे गिरफ्तार

मुंबईः मुंबई की विशेष ढटछअ अदालत ने दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ा दी है। हालांकि इस दौरान अदालत ने उन्हें घर का भोजन और दवाइयों के लिए इजाजत दी है। इससे पहले न्यायिक हिरासत के दौरान उन्हें बेड, गद्दा और कुर्सी प्रदान करने की उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया था। बीती 23 फरवरी को 62 वर्षीय नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने माफिया डॉन दाऊद इब्राहिम कास्कर से जुड़े एक भूमि सौदे से उत्पन्न कथित धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। तभी से लगातार हिरासत में नवाब मलिक ने ईडी के मामले को रद करने के लिए पिछले हफ्ते बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने नवाब मलिक को उनके विभागों और दो जिलों के संरक्षक मंत्री पद से मुक्त करने का फैसला किया, जो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा अन्य कैबिनेट सहयोगियों को आवंटित किए जाएंगे।राकांपा नेता नवाब मलिक ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इसमें मलिक ने दावा किया है कि उनकी गिरफ्तारी पूरी तरह से अवैध है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 15 मार्च को नवाब मलिक के अंतरिम आवेदन को खारिज कर दिया था, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में तत्काल रिहाई की मांग की गई थी। महाराष्ट्र विधानसभा में सीएम उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि अगर नवाब मलिक का दाऊद इब्राहिम से सालों पुराना नाता था तो इतने साल से केंद्रीय एजेंसियां क्या कर रही थीं? मुझे लगता है कि एलओपी फडणवीस को ईडी द्वारा भर्ती किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने ईडी को सभी दस्तावेज दिए थे, जैसा कि उन्होंने कहीं कहा था। उद्धव ने कहा कि आप नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग करें। पहले बताओ, आपने महबूबा मुफ्ती का समर्थन क्यों किया, जिन्हें अफजल गुरु और बुरहान वानी से हमदर्दी थी। दाऊद इब्राहिम कहां है? क्या किसी को पता है कि वह कहां है? पिछला चुनाव आपने राम मंदिर के नाम पर लड़ा था। क्या अब आप दाऊद के नाम पर वोट मांगने जा रहे हैं? क्या ओबामा ने लादेन के नाम पर वोट मांगे थे? गौरतलब है कि नवाब मलिक को ईडी ने दाऊद इब्राहिम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार किया था।

मुंबई के स्कूलों के लिए BMC का फरमानः साइनबोर्ड पर मराठी में लिखवाएं नाम

मुंबई। बीएमसी शिक्षा विभाग ने एक सर्कुलर जारी कर अपने अधिकार क्षेत्र के सभी स्कूलों के बाहर व्यवहार्यता के साथ 83 फीट आकार के साइनबोर्ड पर मराठी देवनागरी लिपि में स्कूलों के नाम लिखकर लगाने के लिए कहा है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार आधिकारिक मराठी के सरलीकरण पर काम कर रही है। गुड़ी पड़वा (महाराष्ट्रियन नव वर्ष) के अवसर पर मराठी भाषा भवन के मुख्य केंद्र के शिलान्यास में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज अपने प्रशासन में मराठी के उपयोग के इच्छुक थे।

मुंबई को अपने राज्य की राजधानी बनाने के लिए महाराष्ट्रियों को लड़ना और खून बहाना पड़ा, ठाकरे ने कहा, जो लोग इतिहास भूल जाते हैं उनका कोई भविष्य नहीं होता है।

ED की कार्रवाई पर शिवसेना नेता संजय राउत का फूटा गुस्साकहा- हमारा भी समय आएगा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार को संजय राउत के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी 11 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। इस कार्रवाई पर संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि लोग दिल्ली से आते हैं और हमारे लोगों के घरों में घुस जाते हैं। न कोई नोटिस नहीं, न कोई वारंट और न ही कोई सम्मन। समय बदलेगा और हमारा समय भी आएगा। संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र जैसे राज्य जो भाजपा शासित नहीं है, वहां केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। वह लोकतंत्र और हमारी आजादी को खतरे में डालने जा रहा है। ये ठीक नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय ने 1,034 करोड़ रुपए के पतरा चाल भूमि घोटाला मामले में संजय राउत की 11 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। इसमें 9 करोड़ रुपये की संपत्ति प्रवीण राउत के नाम है। वहीं, 2 करोड़ की संपत्ति संजय राउत की पत्नी के नाम पर है।इसके साथ ही प्रवर्तन निदेशालय ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय से भी बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके परिवार की 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक जैन के परिवार के कुछ लोग ऐसी कंपनियों से जुड़े हैं, जिनकी पीएमएलए के तहत जांच चल रही है।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

द्रविड़ राजनीति के लिए नए सबक

दशकों से तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज द्रमुक और अन्नाद्रमुक का आधार द्रविड़ विचारकों की सामाजिक न्याय की अवधारणा रही है। यहां सन् 1967 में कांग्रेस सरकार का अंत हुआ था, जिसके बाद से द्रविड़ विचारधारा और कल्याणकारी राज्य संबंधी नीतियों का संगम ही मतदाताओं को लुभाता रहा है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा के हाथों समाजवादी पार्टी की हार ने हिंदुत्व की ताकत से मुकाबला करने की संयुक्त ओबीसी की सीमा को संभवतः उजागर कर दिया है। मगर तमिलनाडु में कहानी बिल्कुल अलग है। यहां लोगों को गैर-द्रविड़ विकल्प मुहैया कराने के लिए विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने वर्षों से कई प्रयास किए हैं। मगर यह कवायद जमीन पर सफल नहीं हो सकी है। इसीलिए, द्रविड़ विचारधारा आज भी निर्विरोध कायम है। इसके उलट, राज्य के अन्य दल द्रविड़ विचारधारा के नकलची या घटिया प्रतिरूप बनकर रह गए हैं। यहां के वामपंथी दल भी इसके अपवाद नहीं हैं। 1980 के दशक के अंत में वीपी सिंह और लालू प्रसाद यादव ने ओबीसी ताकत के बूते हिंदुत्व की लहर पैदा करने वाली कोशिशों को नाकाम किया था। 23 अक्तूबर, 1990 को लालू यादव ने बिहार के समस्तीपुर में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करके उनकी रथयात्रा बाकायदा रोक दी थी। इससे पहले वीपी सिंह पिछड़ी जातियों के मतों के बूते ही प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच पाए थे।इस बार मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी मतों को एकजुट करने के लिए सामाजिक न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाया। उन्होंने गठबंधन बनाने के लिए गैर-यादव, गैर-जाटव दलितों और अन्य अति पिछड़े समुदायों को एक साथ लाने का प्रयास किया। उन्होंने किसान जैसे विभिन्न हित समूहों को भी अपने साथ जोड़ा। मुस्लिमों को पर्याप्त टिकट बांटे। मगर उनके तमाम प्रयास धरे रहे गए। तो क्या इसका अर्थ यह है कि सिर्फ सामाजिक एकता भगवा लहर को मात नहीं दे सकती?सवाल यह भी है कि क्या तमिलनाडु में द्रमुक के लिए इसमें कोई सबक है? भाजपा बरसों से राज्य की राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रही है। बेशक, उसको अब तक बहुत सफलता नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में अकेले मैदान में उतरने के बावजूद उसके वोट प्रतिशत में करीब छह फीसदी की वृद्धि देखी गई है। उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व सफलता ने तमिलनाडु में भाजपा कार्यकताओं और उसके समर्थकों का उत्साह बढ़ा दिया है। इसका मुकाबला द्रमुक पार्टी आखिर कैसे करेगी?द्रविड़ विचारधारा की सफलता के कई कारण हैं। बेशक, ओबीसी मतों की एकजुटता इस आंदोलन का आधार है.

अपनों पर न चले ताकत का जोर

यह युवती इरोम शर्मिला थीं, जिन्होंने मणिपुर की राजधानी इंफाल में हवाई अड्डे के नजदीक नवंबर 2000 में असम राइफल्स की एक टुकड़ी द्वारा की गई फायरिंग में 10 नागरिकों की मृत्यु के विरोध में भूख हड़ताल कर रखी ोलह लंबे वर्षों तक भारत राष्ट्र ने एक परेशान करने वाली छवि लगातार देखी है, जिसमें अपने जीवन के तीसरे दशक में सफर कर रही एक युवती को सुरक्षा बल के जवान जबर्दस्ती गले में नली डालकर उसके पेट में कुछ तरल खाद्य पदार्थ डाल रहे हैं। यह युवती इरोम शर्मिला थीं, जिन्होंने मणिपुर की राजधानी इंफाल में हवाई अड्डे के नजदीक नवंबर 2000 में असम राइफल्स की एक टुकड़ी द्वारा की गई फायरिंग में 10 नागरिकों की मृत्यु के विरोध में भूख हड़ताल कर रखी थी। शुरूआत में तो फायरिंग और उससे हुई मौतों का विरोध था, पर जल्द ही इरोम की मुख्य मांग पूरी तरह से उस कानून को हटाने की बन गई, जिसके तहत सेना को गिरफ्तारियों, तलाशियों या नागरिकों पर फायरिंग जैसे अलोकतांत्रिक अधिकार हासिल हो गए थे। अगले 16 वर्षों तक यह अनशन चलता रहा और पूरी दुनिया में राज्य की ज्यादातियों के खिलाफ अहिंसक नागरिक प्रतिरोध का प्रतीक बन गया।

अफस्पा या सशस्त्र बल (विशेष शक्ति) अधिनियम 1958 में नगालैंड में, जो उस समय असम प्रांत का ही भाग था, हथियारबंद पृथकतावादी आंदोलन के चलते अस्तित्व में आया था और कुछ ही वर्षों में मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा से लेकर जम्मू-कश्मीर तक यह लागू हो गया। इसके बीज तो 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में ही पड़ गए थे, जब अंग्रेजों ने सेना को नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार दे दिया था। आजाद भारत में जब यह कानून बना, तब प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आश्वासन दिया था कि छह महीने के अंदर इसे हटा लिया जाएगा, पर 60 वर्षों के बाद भी यह अस्तित्व में बना हुआ है।

ऐसे कानूनों के बनने के कारण एक नए स्वतंत्र हुए भूभाग के राष्ट्र-राज्य बनने की जद्दोजहद में खोजे जा सकते हैं। 1947 में आजादी हासिल करने वाले देश के सामने सबसे बड़ी समस्या ही एक बहुभाषी, बहु-धार्मिक या बहु-सांस्कृतिक समाज को सही अर्थों में एक राष्ट्र-राज्य बनाने और फिर उसे एकजुट रखने की थी। ऐसे कठिन वक्त में जब कई क्षेत्रों में अलगाववादी शक्तियां पृथकतावादी आंदोलन चला रही थीं, लोकतंत्र समर्थक प्रधानमंत्री नेहरू को भी अफस्पा जैसे गैर-जनतांत्रिक कानून का सहारा लेना पड़ा था। दिक्कत तब आई, जब वादा करके भी छह महीने बाद इसे हटाया न जा सका। इसकी अवधि तो बढ़ती ही गई, नए-नए इलाके इसके प्रभाव क्षेत्र में आते गए।

इस कानून के दुरुपयोग या इसके विरुद्ध जनाक्रोशों की छिटपुट खबरें तो लगातार छपती रहीं, पर यह भी कटु सच्चाई है कि इस महादेश में इन सुदूर अंचलों में घट रही ज्यादतियों पर हमारी आत्मा पर वैसे घाव नहीं दिखे, जिनकी किसी सभ्य समाज में अपेक्षा की जा सकती थी। इसीलिए जब 9 अगस्त, 2016 को इरोम शर्मिला ने अपना अनशन अचानक खत्म किया, तो इसके पीछे उनके द्वारा बताए गए कारणों में एक सरकार की उपेक्षा थी। वह निराश थीं कि उनका अनशन व अफस्पा लंबे समय से साथ-साथ चल रहे थे और सरकारों की सोच पर कोई असर नहीं पड़ रहा था। इससे कम निराशाजनक जनता का रवैया नहीं था। अनशन से उठने के बाद 2017 में इरोम ने एक राजनीतिक दल बनाकर विधानसभा का चुनाव लड़ा और खुद उन्हें सौ से भी कम मत मिले। संदेश साफ था, राज्य के दोनों अंगों- सरकार व जनता के लिए मानवाधिकार अभी भी बहुत उद्वेलित करने वाला मुद्दा नहीं बन सका है।

अफस्पा के कुछ इतने विचलित करने वाले प्रकरण आजाद भारत में घटे कि कई बार तो न्यायपालिका को लीक से हटकर आदेश पारित करने पड़े। एक मुकदमा सर्वोच्च न्यायालय के सामने मणिपुर में कुछ वर्षों के दौरान 1,528 नागरिकों के ह्यफर्जीह्न मुठभेड़ों में मारे जाने का भी आया। इसमें उसने कठोर टिप्पणियां कीं और इन घटनाओं की जांच कराने का इरादा जाहिर किया। इस फैसले से मणिपुर में फौरी राहत तो मिल गई है,

पर दूसरे इलाकों में अभी भी विचलित करने वाली घटनाएं घटती रहती हैं। हाल में नगालैंड के मोन जिले में एक ट्रक पर कोयला खदान से दिन भर की मेहनत-मजूरी करके लौट रहे एक दर्जन से अधिक मजदूर फौजी टुकड़ी की अनायास फायरिंग में मारे गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण एक बार फिर अफस्पा चर्चा में आ गया। इस बार तो कुछ विधानसभाओं में इसे हटाने के प्रस्ताव भी पास हुए हैं। मोन की घटना का एक सकारात्मक परिणाम यह जरूर निकला कि केंद्र सरकार को एक विशेषज्ञ कमेटी नियुक्त करनी पड़ी, जिसने समयबद्ध विचार-विमर्श के बाद कम से कम पूर्वोत्तर के काफी बड़े क्षेत्र से तो अफस्पा हटाने की सिफारिश कर दी और सरकार ने उसे हटाने की अधिसूचना भी जारी कर दी है। अपेक्षा की जानी चाहिए कि शेष पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर से भी शीघ्र यह कानून हटा लिया जाएगा। दुर्भाग्य से कई बार आतंकवाद से लड़ाई में भी न्यस्त स्वार्थ पैदा हो जाते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि कोई बड़ा नीतिगत फैसला राजनीतिक नेतृत्व ही कर सकता है। उसे सारे हितधारकों से बात करके ऐसे फैसले करने होंगे, जो लोकतंत्र को मजबूत करे। सशस्त्र बलों की मानेंगे, तो किसी क्षेत्र से विशेष कानून नहीं हट सकेगा।

पूर्वोत्तर के एक बडे. हिस्से से अफस्पा को हटाया जाना एक बहुत बड़ा घटनाक्रम है, जिसका सभी लोकतंत्र प्रेमियों द्वारा स्वागत किया जाना चाहिए। इस पर आम सहमति बननी चाहिए कि अपने नागरिकों से निपटने के लिए सैन्य बलों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उसके उपकरण और सिखलाई दुश्मन से निपटने के लिए होते हैं और अपने नागरिकों को आप दुश्मन नहीं घोषित कर सकते।

केशव प्रसाद मौर्य का तंज, बोले- सपा प्रमुख का आतंकियों का हौसला बढ़ाने का काम जारी

लखनऊ। गोरखपुर में तीन अप्रैल को गोरखनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला करने वाले अहमद मुर्तजा अब्बासी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तगड़ा तंज कसा है। केशव प्रसाद मौर्य अखिलेश यादव के बयान से काफी हैरान हैं और उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आतंकियों का हौसला बढ़ाने के अपने काम में लगे हैं।गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर के बाहर सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले अहमद मुर्तजा अब्बासी के आतंकी कनेक्शन सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश एटीएस ने अपनी पड़ताल तेज कर दी है। ऐसे में नेताओं के बीच भी शब्दों के बाणों ने भी गति पकड़ ली है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के अहमद मुर्तजा अब्बासी को लेकर बयान पर प्रदेश के डिप्पी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तगड़ी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव के बयान से खफा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया आर्तकियों का हौसला बढ़ाने के अपने काम में लगे हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का हमेशा से आतंकवादियों से गहरा रिश्ता है। उन्होंने 2013 के आतंकी हमलों के मामले वापस ले लिए थे। गोरखनाथ मंदिर पर हमला सामान्य नहीं है, यह बहुत गंभीर है। मैं आतंकवादियों का मनोबल बढ़ाने के उनके प्रयासों की निंदा करता हूं। अखिलेश यादव को जानलेवा हमले के मामले में एक आरोपित पर खुलेआम टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। वह पूर्व सीएम हैं, हमारे सुरक्षाकर्मियों ने उसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के बाद अपनी जान जोखिम में डालकर पकड़ लिया।

उनका बयान निंदनीय है। अब तो तय है कि समाजवादी पार्टी आने वाले समय में समाप्त पार्टी बन जाएगी।गौरतलब है कि गोरखनाथ मंदिर के बाहर बीते दिनों पुलिसकर्मियों पर हमले के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि भाजपा बेवजह किसी भी बात को तूल देती है।

तेजस्वी और चिराग वैशाली में चित, हार के बाद सुबोध राय बोले- राजद के विधायक ने ही किया खेल

पटनाः बिहार विधान परिषद की 24 सीटों पर हुए चुनाव के बाद गुरुवार को मतगणना हो रही है। धीरे-धीरे नतीजे भी आने लगे हैं। शुरूआती रुझान में ज्यादातर सीटों पर एनडीए को बढ़त मिल रही है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने ताबड़तोड़ प्रचार कर 15 सीटों पर जीत दर्ज करने की बात कही थी। लेकिन वैशाली सीट पर चिराग पासवान के राजद को सपोर्ट करने के बाद भी वहां से एनडीए ने जीत दर्ज की है। एनडीए ने यह सीट पशुपति पारस की पार्टी आरएजेपी के प्रत्याशी भूषण राय को दी थी। यहां से भूषण राय ने राजद प्रत्याशी सुबोध राय को पटखनी दी है। हार के बाद सुबोध राय में अपनी पार्टी के विधायक पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि महुआ के राजद विधायक मुकेश रौशन की वजह से मेरी हार हुई है।

बिहार में शराबबंदी कानून सफल नहीं,

इसे स्वीकारे नीतीश सरकार, कांग्रेस ने संशोधन पर कसा तंज

पटना। शराबबंदी कानून में संशोधन के बाद प्रदेश कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा है कि सरकार ने मान लिया है कि शराबबंदी कानून में खामियां हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा. मदन मोहन झा ने बुधवार को कहा कि सरकार को लग गया था कि वह निर्दोष लोगों को लंबे समय तक जेल में नहीं रख सकती। इसी वजह से उसने कानून को और सरल बना दिया है। डा. झा ने कहा कि किसी योजना-परियोजना के साथ कानून में बार-बार संशोधन इस बात का प्रमाण है कि कानून सफल नहीं हो रहा है, इसी वजह से संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा नीतीश सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि बिहार में शराबबंदी कानून सफल नहीं हो पाया। जबकि विपक्ष सरकार को हर प्रकार से सहयोग देता रहा है और आगे भी सहयोग देने को तैयार है। शराबबंदी कानून की सफलता सरकार के प्रयासों पर निर्भर है।

बता दें कि शराबबंदी कानून को लेकर विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमलावर रही हैं।

सत्ताधारी दल हम के मुखिया व पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के सुर भी कुछ ऐसे ही थे। हाल में उन्होंने गया में संशोधन पर संतोष जताया। इसके लिए सीएम नीतीश कुमार को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से संशोधन के पक्षधर थे।

क्योंकि इससे सबसे ज्यादा पीड़ित गरीब वर्ग के लोग हो रहे थे। माफिया और तस्कर तो छूट जाते थे, फंसते थे गरीब। तीसरी बार कानून में समीक्षा हुई है। मांझी ने अपने थोड़ी-थोड़ी पीने के बयान पर कहा कि यह तो डाक्टर ही कहते हैं कि इसे सीमित मात्रा में लिया जाए तो शरीर के लिए बेहतर होता है। जो मजदूर हैं वे रात में सोते समय थोड़ी सी पीयें तो सुबह उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

कविता

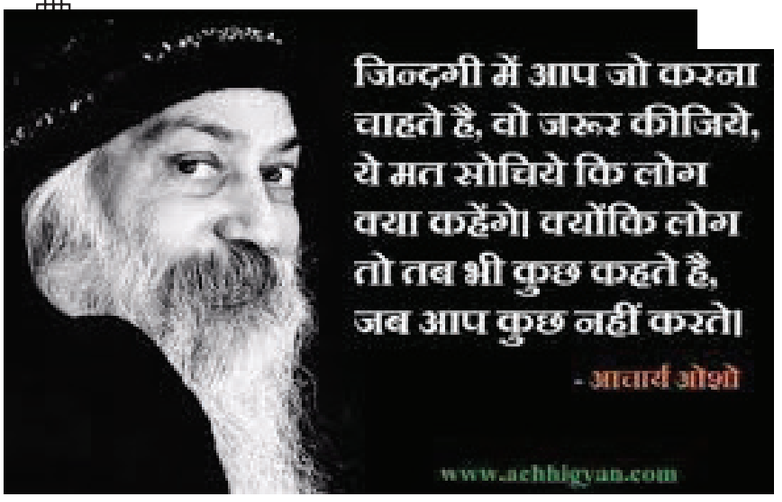

कहै कबीर दीवाना-ओशो

फिर आदमी ने कई तरकीबें निकाल लीं। नारियल चढ़ाता है। क्योंकि वह आदमी के सिर जैसा लगता है। वह सब्स्टीयूट है, परिपूरक। उसमें आंखें भी हैं, दाढ़ी भी है, मूंछ भी है, सब है। इसलिए तो हिंदी में उसको खोपड़ा कहते है--खोपड़ी! उसको आदमी चढ़ाता है जा कर मंदिर में। अपनी खोपड़ी ले जाओ। आदमी सिंदूर लगाता है। वह खून का प्रतीक है। अपना खून दो, सिंदूर लगाने से क्या होगा? आदमी प्रतीक खोजता है, अपने को बचाता है।जो इन प्रतीकों का सम्मान कर रहा है, वह भी तुम्हारे ही जात का हिस्सा है। वह तीसरे दर्जे का प्रेमी है। गुरु और चेला एक ही नाव में सवार हैं। और तुम दोनों डूबोगेः आप डूबते पांडे ले डूबे जजमान। वे डूब ही रहे थे गुरुजी, तुम और चढ़ गए नाव पर!दूसरे कोटि का व्यक्ति, जो प्रेम करता है व्यक्तियों से, उसके जीवन में गुरु की संभावना शुरू होती है। काश, उसे गुरु मिल जाए! **जारी...**

वजन बढ़ाने के लिए ब्रेकफास्ट में खाएं ये हेल्दी फूड्स

कई लोग अपने कम वजन को लेकर बहुत परेशान रहते हैं। ज्यादा पतला होना भी आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। इससे आपका इम्युनिटी सिस्टम कमजोर हो सकता है, जिससे आप बहुत जल्दी बीमारी पड़ सकते हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति का फिट रहना बेहद जरूरी है। इसके अलावा बहुत पतले लोग अपनी पर्सनालिटी को लेकर भी बहुत परेशान रहते हैं। कई बार उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में सही तरीके से वजन बढ़ाने के लिए आपको सुबह का हेल्दी नाश्ता जरूर करना चाहिए। इसके लिए आप अपने नाश्ते में कुछ खास फूड्स को शामिल कर आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते है गुड़गांव के डाइट क्लीनिक और डॉक्टर हब क्लीनिक में डायटीशियन अर्चना बत्रा से।वजन बढ़ाने के लिए हेल्दी कार्ब्स और कैलोरी से भरपूर नाश्ता लेना बेहद जरूरी होता है। इससे आपके शरीर का वजन भी बढ़ता है और एनर्जी भी मिलती है। कैलोरी से आपके शरीर और

दिमाग के काम करने की क्षमता बढ़ जाती है। इसके लिए आप अपने आहार में सुबह के समय केले की स्मूदी, ब्रेड और कुछ हरी सब्जियां शामिल कर सकते हैं। इससे आपको भरपूर मात्रा में पोष्क तत्व मिलते हैं।
2. डाइट में शामिल करें प्रोटीन प्रोटीन शरीर के विकास के लिए ही नहीं बल्कि शरीर में हार्मोन्स के नियंत्रण और स्त्राव को भी बढ़ावा देता है। वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है। इसके लिए सुबह नाश्ते में प्रोटीन शेक, पीनट बटर, नट्स, दही-पनीर आदि शामिल करें।
3. ड्राई फूट्स भी है जरूरी
जल्दी वजन बढ़ाने के लिए ड्राई फ्रूट्स भी एक अच्छा विकल्प है। आप सुबह नाश्ते के समय ड्राई फ्रूट्स का सेवन जरूर करें। आप बादाम, किशमिश, अखरोट, खजूर और अंजीर रातभर भिगोकर रख दें। उसके बाद सुबह फ्रेस होने के बाद इनका सेवन करें।
4. विटामिन और मिनरल्स से भरा नाश्ता शरीर को निरोग रखने के लिए विटामिन और मिनरल्स भी बेहद जरूरी है। इससे आपका इम्यून सिस्टम अच्छे से काम करता है और शरीर की कोशिकाओं का भी विकास होता है। इसके लिए आप अपने नाश्ते में नॉनवेज, डायरी प्रोडेक्ट, फिश ऑयल और स्प्राउट को अपने नाश्ते में शामिल कर सकते हैं।5. भरपूर पानी लें और एक्सरसाइज करें

कंगना रनोट मानहानि मामले में कोर्ट में जज नहीं आने के कारण निराश मन से लौटे जावेद अख्तर

कंगना रनोट और जावेद अख्तर के बीच कोर्ट में मानहानि का मुकदमा चल रहा है' इस बीच इस केस के मामले में जावेद अख्तर कोर्ट पहुंचे थे' हालांकि कोर्ट में जज के अनुपस्थित होने के चलते वह कोर्ट से दुखी मन से बाहर निकले हैं' जावेद अख्तर ने कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि का मुकदमा कर रखा है' गीतकार जावेद अख्तर गुरुवार को अंधेरी के मजिस्ट्रेट कोर्ट पहुंचे थे लेकिन कोर्ट में जज नहीं आने के चलते उन्हें निराश मन से वापस लौटना पड़ा'खबरों के अनुसार जावेद अख्तर को जब यह पता चला कि उनके केस की सुनवाई करने वाले जज साहब छुट्टी पर है, तो वह निराश हो गए' जावेद अख्तर ने कंगना रनोट पर मानहानि का मुकदमा कर रखा है
' उन्होंने यह मुकदमा 2020 नवंबर में किया है' जावेद अख्तर ने कंगना रनोट के

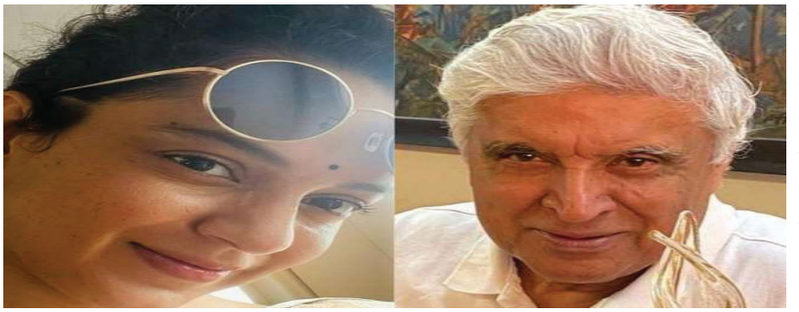

उस बयान पर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था सुशांत सिंह राजपूत के निधन के लिए वह भी जिम्मेदार है' इसके बाद जावेद अख्तर ने कंगना रनोट पर छवि खराब करने का आरोप लगाया था' कंगना रनोट ने कहा है कि जावेद अख्तर ने उनका करियर खत्म करने की धमकी दी है'इसके पहले कंगना रनोट को इस मामले में कोर्ट से झटका लग चुका है' उन्होंने कोर्ट में एक अर्जी दायर कर हमेशा के लिए कोर्ट में इस मामले में ना आने की अनुमति मांगी थी'
इसपर कोर्ट ने कहा था कि वह भले ही वह एक कलाकार है लेकिन इस मामले में आरोपी भी है'
इसके चलते उन्हें समय-समय पर कोर्ट की कार्यवाही में भाग लेना होगा' कंगना रनोट बॉलीवुड के कई कलाकारों को बीच कई बार लताड़ चुकी है'

नीतीश राणा और बुमराह की मुश्किलें बढ़ीं

जुमार्ने के साथ लगाई गई फटकार

नई दिल्ली। कोलकाता और मुंबई के बीच हुए इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें मैच में कोलकाता ने मुंबई को हराकर प्वाइंट्स टेबल के टाप पर जगह बना ली जबकि मुंबई को इस सीजन में लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इस मैच में 4 विकेट खोकर 161 रन बनाए थे जिसे कोलकाता की टीम ने पैट कमिंस के 15 गेंदों पर खेली गई 56 रन की तूफानी पारी की बदौलत 16 ओवर में ही हासिल कर लिया।

मैच के बाद मुंबई के लिए एक और बुरी खबर इंतजार कर रही थी। उल्लंघन का दोषी पाया गया है।दोनों खिलाड़ियों को इसके लिए फटकार लगाई गई है।

लखनऊ के खिलाफ मैच में इन खिलाड़ियों पर होगी दिल्ली को जीत दिलाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम जब डीवाई पाटिल स्टेडियम में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती पावरप्ले में अच्छी शुरूआत देने की होगी। इसको लेकर हेड कोच रिकी पोंटिंग भी अपनी चिंता जता चुके हैं। दिल्ली की टीम इस मैच में पहले से ज्यादा स्ट्रोंग नजर आ रही है क्योंकि डेविड वार्नर और आनरिक नोकिया इस टीम से जुड़ने वाले हैं। वार्नर के आने से जहां टीम की ओपनिंग जोड़ी की समस्या आसान हो जाएगी वहीं नोकिया के आने से गेंदबाजी क्रम और प्रभावी हो जाएगी। पिछले मैच में गुजरात के खिलाफ दिल्ली को आखिरी कुछ ओवरों में खराब बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा था। रिषभ पंत ने पिछले

मैच में 29 गेंदों पर 43 रन की पारी खेली थी लेकिन वे अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। दिल्ली की ओपनिंग जोड़ी- अब तक खेले गए मैचों में दिल्ली की समस्या उसकी ओपनिंग जोड़ी रही है जो टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दिला पाई है। वार्नर के आने से दिल्ली की ये समस्या खत्म होते हुए नजर आ रही है। टीम को पृथ्वी शा से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।मध्यक्रम में दिल्ली की टीम- मध्यक्रम में दिल्ली के पास रिषभ पंत, रोवमैन पावेल, मनदीप सिंह और ललित यादव के रूप में अच्छा विकल्प मौजूद है लेकिन पिछले मैच में टीम को फिनिशर की कमी खली थी और आखिरी कुछ ओवरों में टीम ने गुजरात के खिलाफ मैच गंवा दिया था। गेंदबाजी में दिल्ली की टीम- पहले मैच में कुलदीप यादव के प्रदर्शन को छोड़ दिया जाए तो टीम की गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी नजर नहीं आती है लेकिन आनरिक नोकिया के आने से गेंदबाजी क्रम में आक्रमकता आएगी।

लखनऊ के खिलाफ मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी और गेंदबाजी होगी और स्ट्रॉन्ग

नई दिल्लीदिल्ली कैपिटल्स की टीम ने पहले मैच में मुंबई को हरा सीजन की अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन उसके बाद उसे गुजरात के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डीवाई पाटिल स्टेडियम में दिल्ली की टीम जब अपने तीसरे मैच में सीजन की नई टीम लखनऊ के साथ खेलेगी तो टीम के सामने दोबारा जीत दर्ज करने की चुनौती होगी। गुजरात के खिलाफ मैच के बाद कोच ने रिकी पोंटिंग ने कहा था कि पावरप्ले में बल्लेबाजी में सुधार की जरुरत है, क्योंकि जब तक आपको अच्छा स्टार्ट नहीं मिलता है आप मैच नहीं जीत सकते हैं।

लेकिन अब दिल्ली की मुश्किलें कम हो सकती हैं। लखनऊ के खिलाफ मैच में दिल्ली पहले से ज्यादा स्ट्रॉन्ग होने वाली है।इस मैच में तेज गेंदबाज आनरिक नोकिया और डेविड वार्नर जैसे दिग्गज टीम के लिए उपलब्ध

रहेंगे। इस बात की पुष्टि टीम के सहायक कोच शेन वाटसन ने की है। वार्नर ने अपनी क्वारंटाइन की अवधि पूरी कर ली है और अब वे खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं, नोकिया पिछले कुछ हफ्तों से लगातार नेट्स में पसीना बहा रहे हैं और वापसी के लिए तैयार हैं।वार्नर के आने से जहां दिल्ली की पावरप्ले में अच्छी शुरूआत दिलाने की समस्या सुलझ सकती है

तो वहीं नोकिया के आने से गेंदबाजी में पैनापन आ जाएगा। फिलहाल गेंदबाजी क्रम की बात करें तो दिल्ली के पास अनुभवी गेंदबाजों की कमी है। पिछले मैच में मुस्तफिजुर ने अपनी गेंदबाजी से जरूर प्रभावित किया था

लेकिन नोकिया के आने से टीम की गेंदबाजी और भी स्ट्रोंग हो जाएगी। दिल्ली के शुरूआती दो मैचों की बात करें तो पहले मैच में जहां दिल्ली ने बाद में बल्लेबाजी करते हुए अक्षर पटेल और ललित यादव की बल्लेबाजी के दम पर मुंबई को हराया था

तो वहीं दूसरे मैच में गुजरात के खिलाफ उसे आखिरी कुछ ओवरों में लगातार विकेट गंवाने की वजह से हार का सामना करना पड़ा था।

14 गेंद पर 5 छक्के जमाते हुए इस खिलाड़ी ने बनाया रिकार्ड अर्धशतक

नई दिल्ली। : इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में सबसे महंगे बिके कोलकाता के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने नए सीजन में वापसी धमाकेदार रिकार्ड के साथ की। मुंबई के खिलाफ बुधवार को खेली गई विस्फोटक पारी के दम पर कमिंस ने रिकार्ड बुक में जगह बनाई। महज 14 गेंद पर इस खिलाड़ी ने अर्धशतक जमाया और आइपीएल इतिहास में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने के मामले में केएल राहुल की बराबरी कर ली।मुंबई ने टास हारकर कोलकाता के खिलाफ टूर्नामेंट के 14वें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 161 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए मुश्किल में आकर सूर्यकुमार यादव ने 52 रन की बहुमूल्य पारी खेली। कीरोन पोलार्ड ने आखिरी में आकर 5 गेंद पर 22 रन बनाते हुए स्कोर को 161 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे कोलकाता के लिए वेंकटेश अय्यर ने अर्धशतक जमाया लेकिन असली खेल तो कमिंस के बल्ले ने दिखाया। 15 गेंद पर 56 रन की पारी खेलते हुए इस खिलाड़ी ने 4 ओवर पहले ही मैच खत्म कर दिया। कमिंस ने महज 14 गेंद पर 4 चौके और 5 छक्के जमाए।

चार साल बाद दिखी आइपीएल में ऐसी पारी, कप्तान ने कहा जब तक स्ट्रेटजी बनाते मैच खत्म हो गया था

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें मैच में जब कोलकाता की टीम मुंबई के खिलाफ उतरी तो सबकी नजर पैट कमिंस की गेंदबाजी पर थी। गेंदबाजी में तो कमिंस ने 2 विकेट झटके ही लेकिन अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया। कमिंस ने इस मैच में 15 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली और 16 ओवर में मैच कोलकाता के नाम कर दिया। आइपीएल में ऐसी तेज-तर्रार अर्धशतकीय पारी चार साल के बाद आई है। इससे पहले केएल राहुल ने 2018 में मोहाली के मैदान पर दिल्ली के खिलाफ 14 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया था। इन दोनों के अलावा जिन बल्लेबाजों के नाम इस सूची में है वो हैं यूसुफ पठान, और कोलकाता के सुनील नरेन। पठान ने 2014 में हैदराबाद के खिलाफ 15 गेंदों पर जबकि नरेन ने 2017 में आरसीबी के खिलाफ इतने हीं गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

अजीत पवार बोले-हमने गैस पर टैक्स घटाया केंद्र को भी टैक्स कम करना चाहिए

मुंबईः दिल्ली सरकार की मुफ्त बिजली और पानी योजना पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने वीरवार को कहा कि पानी और बिजली मुफ्त में उपलब्ध कराने में विकास राजस्व खत्म हो जाता है, लोग इसे पसंद करते हैं लेकिन सभी राजनीतिक दलों को दीर्घकालिक विकास के लिए एक साथ सोचना चाहिए। अजीत पवार ने कहा कि मैं और टैक्स नहीं लगाना चाहता, बल्कि हमने गैस पर टैक्स घटा दिया है। राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र को भी टैक्स कम करना चाहिए। केंद्र सरकार राज्य से अधिक कर लगाती है और इस पर फिर से विचार करना चाहिए। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग को लेकर कहा कि राज्य चुनावों पर नजर रखने वालों को खुश करने के लिए दिए गए कथित विभाजनकारी आह्वान को बर्दाश्त नहीं कर सकता। ठाकरे का नाम लिए बगैर पवार ने पूछा

कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख इस तरह के बयान देकर क्या हासिल करने जा रहे हैं और क्या लोगों को भड़काने से उनकी रोजी-रोटी का मसला हल हो जाएगा। पवार ने बुधवार को अहमदनगर जिले के शिरडी में एक कार्यक्रम में कहा कि महाराष्ट्र ने वर्षों से सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित किया है, लेकिन कुछ दलों के नेता हाल ही में यहां और वहां लाउडस्पीकर लगाने की बात कर रहे हैं। कुछ लोग समाज में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हम वर्षों से सद्भाव में रह रहे हैं। हम समुदायों और धर्मों में कोई दरार नहीं होने देकर समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बरकरार रखने में सक्षम हैं। ठाकरे पर तंज कसते हुए पवार ने कहा कि भाषण देना आसान है। उन्होंने कहा कि मनसे के पदाधिकारियों ने खुद पार्टी प्रमुख की टिप्पणी पर सवाल उठाया है, क्योंकि उन्हें लोगों का सामना करना है और फिर से निर्वाचित होना है। यह विभाजन क्यों? हम इससे क्या हासिल करने जा रहे हैं?। पवार ने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने का समय आ गया है कि इस तरह के बयान महाराष्ट्र और देश को कहां ले जाएंगे। क्या अन्य मुद्दे नहीं हैं? क्या कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी नौकरी गंवाने वाले युवाओं को उनकी नौकरी वापस मिलेगी?। मनसे अध्यक्ष ने पिछले शनिवार को मस्जिदों से तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों को हटाने की वकालत की थी।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net